Statement-I

*Demand of Gujarat for wheat and rice during the last three years and allotment made to the State from Central Pool under Public Distribution System during the same period*

(In 000 tonnes)

| Year | Demand | | Allotment | |
|---|---|---|---|---|
| | Rice | Wheat | Rice | Wheat |
| 1984.... . 300. 0 | | 140. 0 | 90. 0 | 210. 0 |
| 1985.... . 310. 0 | | 420. 0 | 145. 0 | 380. 0 |
| 1986.... . 3450 | | 605. 0 | 290. 0 | 520. 0 |

Statement-II

*Demand of Gujarat for imported edible oil during the last three oil years and allocation made to the State under Public Distribution System in bulk during the same period.*

(Qty. in M. Ts. )

| Oil Year (Nov. -Oct. ) | Demand | Allocation |
|---|---|---|
| 1984-85 ..... | 1, 12, 000 | 61, 500 |
| 1985-86 ..... | 1, 36, 800 | 1, 21, 200 |
| 1986-87 ..... | 2, 08, 000 | 1, 33, 740 |

**चीनी उद्योग में किसानों का हिस्सा**

3794. **श्री शिव कुमार मिश्र :** क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान प्रति **वर्ष चीनी** की उत्पादन लागत कितनी थी **और इसमें चीनी** उद्योग और किसानों **का** अलग-अलग रूप से कितने प्रतिशत **हिस्सा** था ; और

(ख) क्या यह सच है कि गत तीन **वर्षों** के दौरान उत्पादन लागत में, चीनी **उद्योग** के हिस्से की तुलना में कुछ हद तक किसानों का हिस्सा कम बढ़ा है ; यदि हां तो उसके क्या कारण हैं और क्या चीनी का आयात, उत्पादन लागत में किसानों के हिस्से में कमी के लिए जिम्मेदार है ?

**संसदीय कार्य मंत्री तथा खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत) :** (क) और (ख) चीनी की उत्पादन लागत गन्ने से चीनी की रिकवरी और पिराई मौसम की अवधि आदि पर निर्भर करते हुए क्षेत्र प्रति क्षेत्र और फैक्टरी प्रति फैक्टरी भिन्न-भिन्न होती है। किसानों को अदा किए गए गन्ने के मूल्य के अलावा कुछ चीनी फैक्ट्रियां किसानों की ओर से गन्ना विकास, कटाई, परिवहन आदि पर कुछ अन्य खर्चे भी करती हैं और इसलिए पक्के आधार पर किसानों और चीनी उद्योग के शेयर की मात्रा के बारे में तपशील संभव नहीं होगा।